डिजिटल चीजों ने ग्राहकों का जीवन बदला, लेकिन इसमें जोखिम भी

आईआईएम रायपुर में डिजिटल इकोनॉमी विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

रायपुर। आईआईएम रायपुर द्वारा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह तीसरा आईसीडीई व 14वां आईएसडीएसआई वार्षिक सम्मेलन है, जिसकी शुरुआत सोमवार को हुई। डिजिटल इकोनॉमी विषय पर रखे गए इस सम्मेलन में, जिसमें दुनियाभर के विशेषज्ञ हिस्सा ले रहे हैं।

पहले दिन मुख्य अतिथि के तौर पर टेक महिंद्रा के सीईओ और प्रबंध निदेशक सीपी गुरनानी ने हिस्सा लिया। उन्होंने डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के महत्व पर प्रकाश डाला और समस्या समाधान के लिए तीन जरूरी कदमों के बारे में बताया। इसमें पहला समस्या को समझना, दूसरा उपलब्ध तकनीकी समाधानों को ध्यान में रखना और

डिजिटलाइजेशन में आया उछाल

सम्मेलन में 15 विषयों पर शोध पेपर भी पेश किए गए। साथ ही 'ग्राहक समाधान के लिए डिजिटल इकोसिस्टम निर्माण' विषय पर पैनल चर्चा आयोजित हुई। इसमें विशेषज्ञों ने विस्तृत चर्चा की।

अंत में प्रतिस्पर्धा में आगे रहने के लिए सीखने और डिजिटल इकोसिस्टम अपनाने के लिए व्यवसाय मॉडल में आवश्यक बदलाव करन

आईआईएम रायपुर के प्रो. सुमीत गुप्ता ने कहा, समाज में डिजिटलाइजेशन में काफी उछाल आया है। डिजिटल इकोसिस्टम के निर्माण के लिए सही इंफ्रास्ट्रक्चर सहित कई चीजें आवश्यक हैं। इन पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

शामिल रहा। उन्होंने कहा कि परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए सोच और उद्यमशीलता ही एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

मूलभूत चीजों में भी डिजिटल क्रांति

कार्यक्रम में नॉटिंघम बिजनेस स्कूल, चीन विश्वविद्यालय में सूचना प्रणाली के एसोसिएट प्रोफेसर जी यू भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि डिजिटल इकोसिस्टम सेवाओं ने ग्राहकों के जीवन को बदल दिया है। उन्होंने चीन के संदर्भ में बताया कि कैसे प्रौद्योगिकी ने रोटी, कपड़ा, मकान और परिवहन क्षेत्र में डिजिटल क्रांति ला दी है। वहीं द ओपन ग्रुप के चीफ आर्किटेक्ट डॉ. पल्लब साहा ने डिजिटल इकोसिस्टम से जुड़े जोखिमों व इससे मुकाबला करने के लिए एक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। साथ ही 15 मार्गदर्शक सिद्धांतों के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने तीन आयामी लक्ष्य के बारे में समझाया, जिसमें शासन में आसानी, व्यवसाय करने में आसानी और जीवन यापन में आसानी शामिल है।

Haribhoomi, 29th Dec 2020, p. 12 (Raipur Bhoomi).jpg